पीएम का कर्नाटक-गुजरात दौरा (13-14 नवंबर): बेंगलुरू में ₹15,600 करोड़ की परियोजनाएँ, S-VYASA स्वर्ण जयंती और COSMOS-मैसूरु

समाचार-संदर्भ: प्रधानमंत्री कार्यालय (pmindia.gov.in), 11 नवंबर 2026; दौरा 13-14 नवंबर 2026



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

प्रधानमंत्री 13-14 नवंबर 2026 को कर्नाटक और गुजरात के दौरे पर जाएँगे। बेंगलुरू में वे 15,600 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, राष्ट्र को समर्पण, शिलान्यास और हरी झंडी दिखाएँगे। ये परियोजनाएँ शहरी गतिशीलता, विद्युत पारेषण, नवीकरणीय ऊर्जा, पेट्रोलियम बुनियादी ढांचा, अपशिष्ट प्रबंधन और रेलवे क्षेत्रों से जुड़ी हैं।

बेंगलुरू: मेट्रो पिंक लाइन और S-VYASA स्वर्ण जयंती

- बेंगलुरू मेट्रो की पिंक लाइन (कालेना अग्रहारा से तवरेकेरे) का उद्घाटन — लागत लगभग 3,470 करोड़ रुपये; प्रधानमंत्री तवरेकेरे से IIM बेंगलुरू स्टेशन तक मेट्रो सवारी भी करेंगे।
- S-VYASA (स्वामी विवेकानंद योग अनुसंधान संस्थान) के आवासीय मुख्यालय परिसर 'प्रशांति कुटीरम' के स्वर्ण जयंती समारोह में भाग — संस्था की स्थापना 1975 में हुई और 2002 में इसे डीम्ड विश्वविद्यालय घोषित किया गया; समारोह 13-23 नवंबर, विषय 'Towards Viksit Bharat 2047'।
- इसी अवसर पर गोल्डन जुबली एडमिनिस्ट्रेटिव ब्लॉक का शिलान्यास और तिरुवनंतपुरम (केरल) में S-VYASA ऑफ-कैंपस का शुभारंभ; चिंतक एवं संगठनकर्ता एच.वी. शेषाद्रि (जन्म 1926, बेंगलुरू) की जन्मशताब्दी भी स्मरणीय होगी।

ऊर्जा और पेट्रोलियम बुनियादी ढांचा

- कोप्पल-II और गदग-II नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों के एकीकरण हेतु पारेषण योजना (चरण-II) का उद्घाटन — लगभग 4,450 करोड़ रुपये का निवेश, लगभग 2 GW नवीकरणीय क्षमता का प्रेषण; बीदर सौर ऊर्जा क्षेत्र हेतु पारेषण योजना — लगभग 1,370 करोड़ रुपये, 2.5 GW सौर ऊर्जा (बीदर पूलिंग स्टेशन)।
- शिलान्यास: दावणगेरे/चित्रदुर्ग और बल्लारी नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों के एकीकरण की पारेषण योजना (3,450 करोड़ रुपये से अधिक) तथा दावणगेरे-बल्लारी में अतिरिक्त नवीकरणीय क्षमता हेतु पारेषण सुदृढ़ीकरण परियोजना (1,100 करोड़ रुपये से अधिक)।
- मंगलुरू में देश का सबसे बड़ा भूमिगत LPG भंडारण कैवर्न राष्ट्र को समर्पित — 80,000 मीट्रिक टन क्षमता, 850 करोड़ रुपये से अधिक की लागत; न्यू मंगलौर पोर्ट को मुख्य टर्मिनल से जोड़ने वाली 9.4 किमी LPG पाइपलाइन भी शामिल।
- MRPL का देवनगोंठी मार्केटिंग टर्मिनल (बेंगलुरू) राष्ट्र को समर्पित — 330 करोड़ रुपये का निवेश।
- GAIL के हरलकुंटे (बेंगलुरू) संपीडित बायोगैस प्लांट का शिलान्यास — प्रतिदिन लगभग 300 टन नगरपालिका ठोस अपशिष्ट से 12.6 टन स्वच्छ CBG का उत्पादन।

रेलवे: अमृत भारत स्टेशन, डबलिंग, विद्युतीकरण और वंदे भारत

- अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चार पुनर्विकसित स्टेशनों का उद्घाटन — चामराजनगर, चिक्मगलुरू, सकलेशपुर और सुब्रमण्य रोड।
- बगलकोट-वांडल 45 किमी रेल खंड का डबलिंग राष्ट्र को समर्पित — 284 किमी गदग-होतगी डबलिंग परियोजना का हिस्सा; कुडगी NTPC प्लांट को कोयला आपूर्ति सुगम होगी।
- सकलेशपुर-सुब्रमण्य रोड घाट खंड (55 किमी) का विद्युतीकरण राष्ट्र को समर्पित — इसके साथ ही संपूर्ण बेंगलुरू-मंगलुरू रेलमार्ग पूर्णतः विद्युतीकृत हो गया; यह देश के सबसे कठिन रेल-भूभागों में से एक है।
- बेंगलुरू-मंगलुरू-मडगांव वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी — हासन, सकलेशपुर, मंगलुरू, उडुपी, मुर्देश्वर, गोकारण और कारवार होते हुए मडगांव (गोवा) तक संचालन।

मैसूरु: भारत वन्न और COSMOS प्लैनेटोरियम

- 'एक पेड़ माँ के नाम' पहल के तहत भारत वन्न में वृक्षारोपण कार्यक्रम — जापानी मियावाकी तकनीक से विकसित शहरी वनीकरण परियोजना, 17.63 एकड़ में 2 लाख से अधिक देशज पेड़ों का लक्ष्य।
- COSMOS-मैसूरु प्लैनेटोरियम का उद्घाटन — भारतीय खगोल भौतिकी संस्थान (IIA) द्वारा निर्मित भारत का पहला LED डोम प्लैनेटोरियम; मैसूरु विश्वविद्यालय परिसर, चामुंडी पहाड़ी की तलहटी में स्थित; 15 मीटर का झुका हुआ डोम, लगभग 6,150 पैनल और 4.2 करोड़ LED; शो कन्नड़, अंग्रेज़ी और हिंदी में उपलब्ध होंगे।

गुजरात: अंबाजी

- 14 नवंबर को प्रधानमंत्री बनासकांठा (गुजरात) के अंबाजी मंदिर में दर्शन और पूजा करेंगे; अंबाजी मंदिर 51 शक्तिपीठों में से एक है।

परीक्षा के लिए भेद

ये तथ्य अलग-अलग याद रखें: कुल पैकेज 15,600 करोड़ रुपये से अधिक; पिंक लाइन कालेना अग्रहारा-तवरेकेरे (लगभग 3,470 करोड़ रुपये); मंगलुरू LPG कैवर्न देश का सबसे बड़ा भूमिगत भंडारण (80,000 मीट्रिक टन); COSMOS-मैसूरु भारत का पहला

LED डोम प्लैनेटोरियम (IIA); S-VYASA स्थापना 1975, डीम्ड विश्वविद्यालय 2002; चार अमृत भारत स्टेशन (चामराजनगर, चिक्मगलुरू, सकलेशपुर, सुब्रमण्य रोड); बेंगलुरू-मंगलुरू रेलमार्ग पूर्णतः विद्युतीकृत; अंबाजी 51 शक्तिपीठों में से एक।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1: प्रधानमंत्री के कर्नाटक दौरे (13 नवंबर 2026) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

I. बेंगलुरू मेट्रो की पिंक लाइन कालेना अग्रहारा से तवरेकेरे तक है, जिसकी लागत लगभग 3,470 करोड़ रुपये है।

II. मंगलुरू में समर्पित कैवर्न 80,000 मीट्रिक टन क्षमता वाला देश का सबसे बड़ा भूमिगत LPG भंडारण है।

III. COSMOS-मैसूरु पारंपरिक प्रोजेक्टर-आधारित प्लैनेटोरियम है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल I और II
(b) केवल II और III
(c) केवल I और III
(d) I, II और III

उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (a)

- कथन I सही है: पिंक लाइन कालेना अग्रहारा-तवरेकेरे खंड लगभग 3,470 करोड़ रुपये की लागत से बना है।
- कथन II सही है: मंगलुरू का 80,000 मीट्रिक टन कैवर्न देश का सबसे बड़ा भूमिगत LPG भंडारण है।
- कथन III गलत है: COSMOS-मैसूरु भारत का पहला LED डोम प्लैनेटोरियम है; पारंपरिक प्लैनेटोरियम प्रोजेक्टर से छवि दिखाते हैं, जबकि इसके LED पैनल वास्तविक समय में नियंत्रित होते हैं।

प्रश्न 2: अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 13 नवंबर 2026 को उद्घाटित होने वाले चार पुनर्विकसित स्टेशनों में कौन-सा शामिल नहीं है?

(a) चामराजनगर
(b) चिक्मगलुरू
(c) हुबली
(d) सुब्रमण्य रोड

उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (c)

चार पुनर्विकसित स्टेशन हैं — चामराजनगर, चिक्मगलुरू, सकलेशपुर और सुब्रमण्य रोड; हुबली इनमें शामिल नहीं है।

पाठ्यक्रम मानचित्रण:
प्रिलिम्स: अवसंरचना और परिवहन – शहरी गतिशीलता, रेलवे, ऊर्जा; संस्थाएँ और पहल (GS-III)

संबंधित अध्ययन

- विशाखापत्तनम पोर्ट प्रोमेनेड: ₹560 करोड़ की नई परियोजनाएँ, रिकॉर्ड 91.17 मिलियन टन कार्गो

स्रोत

1. प्रधानमंत्री कार्यालय: कर्नाटक और गुजरात दौरा 13-14 नवंबर, 11 नवंबर 2026
2. डीडी न्यूज़: बेंगलुरू में 15,600 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएँ, 11 नवंबर 2026